>

Title: Need to send a central team to survey the flood and drought situation in Bihar.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): आपने मुझे बोलने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आप को धन्यवाद देता हूं। मैं आप के माध्यम से इस सदन का और भारत सरकार का ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट कराना चाहूंगा कि देश के बड़े भू-भाग में आज एक तरफ बाढ़ की स्थिति है, तो दूसरी तरफ मेरे राज्य बिहार में सूखे की भी स्थिति है। आप जानते हैं, बिहार एक ऐसा राज्य है, जिसमें कृषि के सिवा अब कुछ बचा नहीं है। वहां की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से कृषि पर निर्भर करती है। बिहार में 38 जिले हैं, जिनमें से कोई जिला ऐसा नहीं है, जो या तो बाढ़ की चपेट में न हो, या सूखे की चपेट में न हो। वैसे राज्य सरकार ने अपनी तरफ से सुखते हुए फसलों को बचाने के लिए उनकी सिंचाई के लिए किसानों को एक राहत दी है, तीन-तीन बार डीजल के लिए अनुदान दिया है। लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि जो जिले सूखे की चपेट में हैं, उनमें खरीफ फसल लगी ही नहीं है, दस प्रतिशत से ज्यादा धान की रोपनी नहीं हुई है। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि भारत सरकार कृषि मंत्रालय का एक टीम भेजे, बाढ़ और सुखाड़ दोनों स्थितियों का सर्वे कराए और किसानों को एक फौरी राहत दे। मैं एक स्थायी उपाय की भी मांग करूंगा। मैं फौरी राहत यह चाहता हूं कि किसानों को जो ऋण खाद, बीज और कृषि उपकरण पर दिया गया है, उनकी पूरी माफी हो। दूसरा, मैं यह कहना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी बात आ गई।

श्री सुशील कुमार सिंह : अभी मेरी पूरी बात नहीं आई है। मैं बस एक मिनट का समय चाहता हूं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : कृपया आप एक साथ कई विषयों का समावेश नहीं करें।

श्री सुशील कुमार सिंह : बिहार प्रदेश में कोटे के अनुसार और जो लक्ष्य हैं, बैंकों ने जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, उनके अनुसार किसानों को के.सी.सी. नहीं मिला, तो इस मौके पर उनको के.सी.सी. के माध्यम से ऋण मिले। दूसरा, मैं स्थायी निराकरण चाहता हूं।

महोदय, मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि बिहार प्रदेश ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों से, अन्य राज्यों से, जल संसाधन मंत्रालय भारत सरकार के पास जो प्रस्ताव आए हैं, वे आर.आर.आर और ए.आई.बी.पी. के तहत छोटे-छोटे चेक डैम, आहर, पैइन और पोखरों के निर्माण के लिए यहां लंबित हैं। ये तो स्थायी उपाय हैं जो भारत सरकार के पास लंबित हैं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप के सभी विषय आ गए। कृपया आप अपनी बात समाप्त करें।

श्री सुशील कुमार सिंह : मैं केवल आधा मिनट का समय और चाहूंगा। दोनों, अस्थायी उपाय ऋण माफी और के.सी.सी. के हैं और जो स्थायी उपाय हैं...(व्यवधान)

सभापति महोदय : कृपया आप रिपीट न करें।

श्री सुशील कुमार सिंह : मैं रिपीट नहीं कर रहा हूं। मैं आपके माध्यम से यही मांग भारत सरकार से करता हूं कि सूखे की स्थिति का आकलन करा कर, फौरी राहत जल्द से जल्द बिहार के किसानों को दें। धन्यवाद।

सभापति महोदय : माननीय सुशील जी आप अवगत हैं कि तब तक भारत सरकार खुद टीम नहीं भेजेगी, जब तक राज्य सरकार उनको मेमोरैंडम भेज कर अप्रोच नहीं करेगी। कृपया आप राज्य सरकार को लिखें।

श्री वीरेन्द्र कश्यप जी आप अपनी बात सदन में रखें।

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला): सभापति महोदय, कृपया मुझे यहां से बोलने की अनुमति दीजिए।

सभापति महोदय : आपको वहां से बोलने की अनुमति दी जाती है।